

(d) whether Government have formulated any guideline to permit the private organisations to set up such institutions in the country so that the demand is met within a short period of time ; and

(e) if so, the details of such guidelines drawn if any in this regard ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRIES OF EDUCATION AND CULTURE AND SOCIAL WELFARE (SHRIMATI SHEILA KAUL) : (a) No, Sir In fact during the last five years a number of technical institutions and a number of new courses in various subjects of engineering and technology at different levels have been started in accordance with the felt needs.

(b) A tentative overall quantitative assessment of engineering and technical manpower requirements made by the Working Group on Technical Education set up by the Ministry indicated that the present annual admission capacity at all levels, i.e., for diploma, degree and postgraduate courses was adequate for the period up to 1987.

(c) According to the Leave Register Data in respect of engineering personnel, as supplied by Manpower Division of Planning Commission, there are 22,345 engineering graduates unemployed as on 30th June, 1981 and 90,395 engineering diploma holders unemployed as on 31st December, 1980.

(d) and (e). Question does not arise.

School Admission of SC/ST Students on Reservation Basis

1214. SHRI BHEEKHABHAI : Will the Minister of EDUCATION AND CULTURE be pleased to state :

(a) the number of schools under the administrative control of the Directorate of Education/Delhi Administration and the societies;

(b) whether the students belonging to SC/ST are admitted on reservation basis in the schools run by the said agencies in Delhi; and

(c) whether Government have any proposal to regulate the functioning of societies/trusts which are running the Public Schools and impress upon them to make the educational facilities available free of cost to SC/ST in accordance with the general policy of Government to uplift them in all walks of life?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRIES OF EDUCATION AND CULTURE AND SOCIAL WELFARE (SHRI P. K. THUNGON) : (a) As reported by the Delhi Administration, the following number of schools are under the administrative control of the Directorate of Education, Delhi Administration, Delhi and the Societies:—

(i) Government Schools .	712
(ii) Government Aided Schools	192
(iii) Un-aided recognised Schools	136

Total	1040

(b) The Delhi Administration has issued instructions to the Heads of all the Government Schools, Government aided Schools and Managers/Principals of recognised schools other than minority schools that they should reserve 15% and 5% of seats for Scheduled Castes and Scheduled Tribes students respectively for admission to different classes. No complaint regarding

non-admission to SC/ST students has been received in the Directorate of Education, Delhi Administration.

(c) No, Sir.

दिल्ली में पीलिया रोग

1215. श्री निहाल सिंह: क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली में पीलिया रोग महामारी को भांति फ़ैल गई है और उसके क्या कारण हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि इसकी जांच के लिए एक समिति की नियुक्ति की गई थी और इस समिति द्वारा की गई सिफ़ारिशों का ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या इस समिति ने ओखला वाटर वर्क्स को बन्द करने तथा नजफ़गढ़ तथा अन्य नालों से गाद निकालने की सिफ़ारिश की थी; और

(घ) यदि हां, तो समिति को इस सिफ़ारिश को अब तक क्रियान्वित न किए जाने के क्या कारण हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में उप मंत्री (कुमारी कुमुद बेन एम० जोशी) (क) वाइरल हैपाटाइटिस (पीलिया) का रोग दिल्ली में दिसम्बर, 1955 और जनवरी, 1956 में फ़ैला था। इन प्रकोपों की जांच करने से पता चला कि यह महामारी वजीराबाद के सक्शन वाटर वर्क्स के कच्चे जल में मलजल के मिल जाने के कारण फैली थी।

(ख) दिल्ली के मुख्य आयुक्त ने दिल्ली में पीलिया की महामारी के कारणों की जांच करने के लिए 12-1-1956 को एक समिति

गठित की थी। दिल्ली में 1955-56 में पीलिया की महामारी के कारणों की जांच करने के लिए जो समिति गठित की गई थी उसकी सिफ़ारिशें संलग्न विवरण में दी गई हैं।

(ग) समिति ने ओखला वाटर वर्क्स को बन्द करने की सिफ़ारिश नहीं की है। किन्तु नजफ़गढ़ नाले के सम्बन्ध में इस समिति ने निम्नलिखित सिफ़ारिशें की :—

“यमुना नदी के साथ मिलने वाले नजफ़गढ़ नाले के वर्तमान संगम को नदी के और नीचे की ओर मोड़ने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। यदि ऐसा करने में अधिक समय लगने की सम्भावना हो तो इस नाले के गर्मी के मौसम के बहाव को और नीचे की ओर ले जाने की अस्थाई व्यवस्था कर ली जाए। यह कार्य इस वर्ष (1956) के गर्मी के मौसम से पहले ही पूरा कर लिया जाना चाहिए।”

नजफ़गढ़ नाले को नदी के नीचे की ओर मोड़ दिया गया है और वजीराबाद वाटर वर्क्स के ठीक नीचे एक बांध बना दिया गया है।

(घ) यह प्रश्न नहीं उठता।

विवरण

1955-56 के दौरान दिल्ली में पीलिया फैलने के कारणों की जांच पड़ताल करने के लिए गठित की गई समिति की सिफ़ारिशें

1. पानी के रासायनिक और जीवाण्वीय विश्लेषण में बरती जाने वाली सावधानी में कदापि छूट नहीं दी जानी चाहिए और उसके निष्कर्षों का सही मूल्यांकन किया जाना चाहिए। जब कोई प्रतिकूल